EDII

Rajasthan Patrika

May 19, 2016
Page No. 5

उद्योग विशेषज्ञ बनेंगे प्राध्यापक, दूर होगी तंगी-सहस्त्रबुद्धे

एआईसीटीई की स्टार्टअप पॉलिसी जुलाई तक संभव

अहमदाबाद @ पत्रिका

patrika.com/city

प्राध्यापकों की 30 फीसदी तंगी से जूझ रहे व्यावसायिक-तकनीकी कॉलेजों को अब उद्यमी व उद्यम विशेषज्ञ निजात दिलाएंगे। कॉलेज कुल प्राध्यापकों में से 20 फीसदी प्राध्यापकों के पदों पर उद्यमी व उद्यम विशेषज्ञ को सहायक प्राध्यापक के रूप में नियुक्ति दे सकेंगे।

अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) ने इस प्रस्ताव को हरी झंड़ी दे दी है। परिषद के अध्यक्ष अनिल सहस्त्रबुद्धे ने बुधवार को जीटीयू में संवाददाताओं को बताया कि इस निर्णय का मुख्य उद्देश्य कॉलेजों में प्राध्यापकों की कमी को तो दूर करना है ही साथ ही ज्यादा गुणवत्तायुक्त व प्रायोगिक शिक्षा प्रदान कराना है। इससे उन्हें रोजगार पाने में भी मदद मिलेगी। इससे शिक्षण संस्थान और उद्योगों के बीच समन्वय बढ़ेगा, जिससे जरूरत के हिसाब से तकनीकी

शिक्षा में बदलाव होगा और उद्यम को जैसे इंजीनियर चाहिए वैसे इंजीनियर, मैनेजर व फार्मासिस्ट मिलेंगे।

सहस्त्रबुद्धे ने बताया कि एआईसीटीई इसी शैक्षणिक वर्ष 2016-17 में जुलाई-अगस्त से पायलट प्रोजेक्ट के रूप में स्टार्टअप पॉलिसी लागू करने की दिशा में प्रयत्नशील है। इसके लिए गठित पांच सदस्यीय समिति में शामिल जीटीयू कुलपति डॉ. अक्षय अग्रवाल, ईडीआई निदेशक डॉ.सुनील शुक्ला की समिति जल्द ही रिपोर्ट सौंपेगी। इसी पॉलिसी पर चर्चा के लिए जीटीयू में बुधवार को एक कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें परिषद, विवि, कॉलेज, इन्क्यूबेटर, उद्यमी व कंपनियों के प्रतिनिधियों से सुझाव मांगे, चर्चा की गई।

जीटीयू भी बना रहा है इंडस्ट्री प्रोफेसर नीति

जीटीयू कुलपति डॉ.अक्षय अग्रवाल ने बताया कि एआईसीटीई की ओर से हरी झंड़ी मिलने के बाद जीटीयू के कॉलेजों को राहत देने के लिए विवि उद्यमी जैमिन वसा की अध्यक्षता में इंडस्ट्री प्रोफेसर की एक नीति बना रहा है। जिससे प्रोफेसरों की तंगी दूर होने के साथ गुणवत्तायुक्त शिक्षा बच्चों को प्रदान की जा सके।

'एक से सवा लाख सीटें होंगी कम'

एआईसीटीई अध्यक्ष अनिल सहस्त्रबुद्धे ने बताया कि इस वर्ष इंजीनियरिंग, फार्मेसी, एमबीए, एमसीए, आर्किटेक्चर कोर्स की करीब एक से सवा लाख सीटें कम होंगी। करीब दो सौ कॉलेजों में ताले लगेंगे, जबकि इतने ही नए कॉलेज शुरू भी होंगे। अभी दस हजार से अधिक कॉलेजों में करीब 18 लाख सीटें हैं। जिसमें से 11 लाख ही सीटें भरती हैं।

गुजरात में प्राध्यापक प्रशिक्षण संस्थान खोलेगी परिषद

एआईसीटीई अध्यक्ष अनिल सहस्त्रबुद्धे ने कहा कि वडोदरा में एआईसीटीई का क्षेत्रीय कार्यालय खोलने के लिए जगह नहीं मिली है। राज्य सरकार से पांच एकड़ भूमि मांगी है। जिस पर क्षेत्रीय कार्यालय के साथ अब परिषद प्राध्यापक विकास एवं प्रशिक्षण संस्थान भी खोलेगी। ताकि यहां पर तीन से छह महीने के प्रशिक्षण कोर्स शुरू किए जा सकें।

यहां पर नियुक्ति से पहले और फिर इन सर्विस इंजीनियरिंग, फार्मेसी, मैनेजमेंट व अन्य तकनीकी व व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के प्राध्यापकों को प्रशिक्षण दिलाया जाएगा। एआईसीटीई के पूर्व अध्यक्ष रहे प्रो.एस.एस.मंथा ने वडोदरा के एमएसयू में इस क्षेत्रीय सेंटर को स्थापित करने को लेकर काफी प्रयास किए थे।